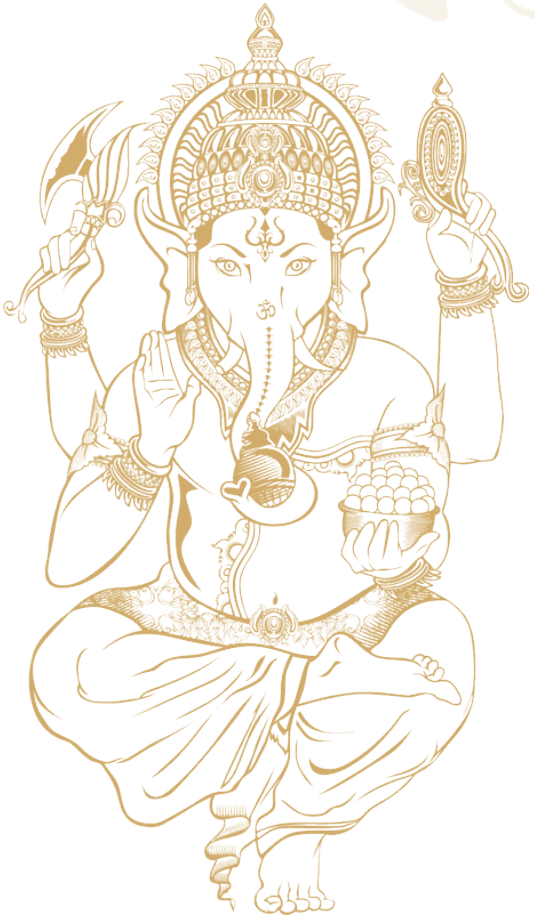

Kajal Sharma

21 May 1988

08:55 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121468402

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**21/05/1988**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**20:55:00 घंटे**
इष्ट	38:38:57 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:33:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:27 घंटे
साम्पातिक काल	12:31:48 घंटे
सूर्योदय	05:27:25 घंटे
सूर्यास्त	19:08:23 घंटे
दिनमान	13:40:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	07:05:06 वृष
लग्न के अंश	01:05:14 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वृद्धि
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डा-डाली
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	01:05:14	324:05:20	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			वृष	07:05:06	00:57:43	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	14:37:42	11:59:49	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	स्वराशि
मंगल			कुंभ	05:52:15	00:38:24	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध			वृष	28:58:56	00:47:21	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
गुरु			मेष	23:25:00	00:14:05	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	06:44:31	00:02:09	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि	व		धनु	07:35:48	00:03:29	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	26:30:19	00:03:08	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	26:30:19	00:03:08	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	06:29:35	00:02:01	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
नेप	व		धनु	16:05:14	00:01:10	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
प्लूटो	व		तुला	16:56:31	00:01:34	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			कन्या	14:57:43	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:44

लग्न-चलित

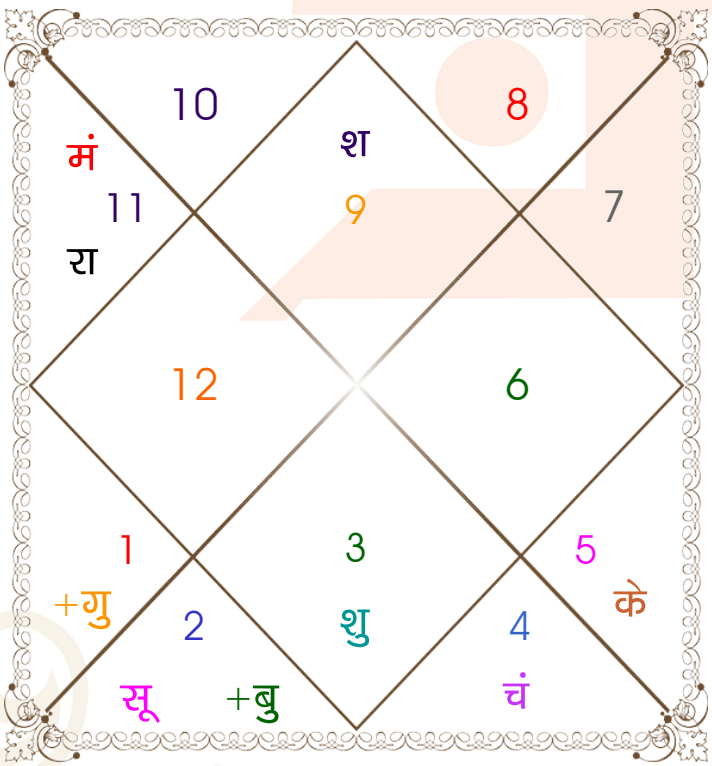

चन्द्र कुंडली

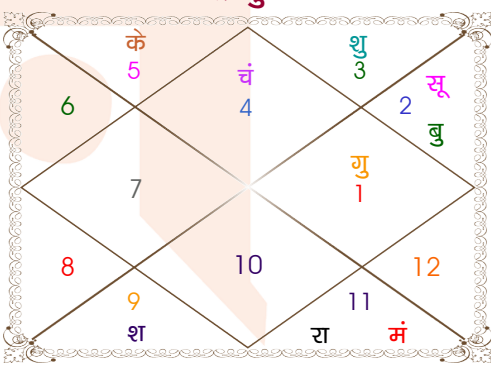

नवमांश कुंडली

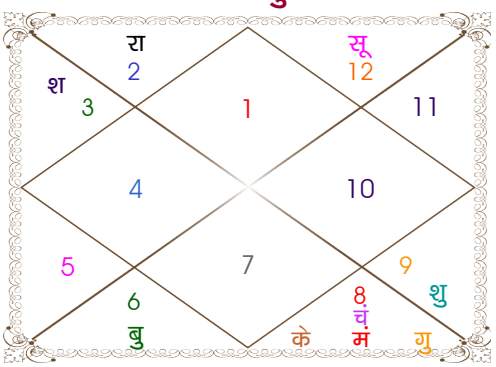

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 2 वर्ष 10 मास 26 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
21/05/1988		17/04/1991		17/04/2008		17/04/2015		17/04/2035	
17/04/1991		17/04/2008		17/04/2015		17/04/2035		17/04/2041	
	00/00/0000	बुध	13/09/1993	केतु	13/09/2008	शुक्र	17/08/2018	सूर्य	05/08/2035
	00/00/0000	केतु	10/09/1994	शुक्र	13/11/2009	सूर्य	17/08/2019	चंद्र	03/02/2036
	00/00/0000	शुक्र	11/07/1997	सूर्य	21/03/2010	चंद्र	17/04/2021	मंगल	10/06/2036
	00/00/0000	सूर्य	17/05/1998	चंद्र	20/10/2010	मंगल	17/06/2022	राहु	05/05/2037
	00/00/0000	चंद्र	17/10/1999	मंगल	18/03/2011	राहु	17/06/2025	गुरु	21/02/2038
	00/00/0000	मंगल	13/10/2000	राहु	04/04/2012	गुरु	16/02/2028	शनि	03/02/2039
	21/05/1988	राहु	02/05/2003	गुरु	11/03/2013	शनि	17/04/2031	बुध	11/12/2039
राहु	04/10/1988	गुरु	07/08/2005	शनि	20/04/2014	बुध	15/02/2034	केतु	17/04/2040
गुरु	17/04/1991	शनि	17/04/2008	बुध	17/04/2015	केतु	17/04/2035	शुक्र	17/04/2041

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
17/04/2041		17/04/2051		17/04/2058		17/04/2076		17/04/2092	
17/04/2051		17/04/2058		17/04/2076		17/04/2092		00/00/0000	
चंद्र	15/02/2042	मंगल	13/09/2051	राहु	28/12/2060	गुरु	05/06/2078	शनि	20/04/2095
मंगल	16/09/2042	राहु	01/10/2052	गुरु	24/05/2063	शनि	16/12/2080	बुध	28/12/2097
राहु	17/03/2044	गुरु	07/09/2053	शनि	30/03/2066	बुध	24/03/2083	केतु	06/02/2099
गुरु	17/07/2045	शनि	17/10/2054	बुध	16/10/2068	केतु	28/02/2084	शुक्र	09/04/2102
शनि	15/02/2047	बुध	14/10/2055	केतु	04/11/2069	शुक्र	29/10/2086	सूर्य	22/03/2103
बुध	17/07/2048	केतु	11/03/2056	शुक्र	03/11/2072	सूर्य	17/08/2087	चंद्र	20/10/2104
केतु	15/02/2049	शुक्र	11/05/2057	सूर्य	28/09/2073	चंद्र	16/12/2088	मंगल	29/11/2105
शुक्र	17/10/2050	सूर्य	16/09/2057	चंद्र	30/03/2075	मंगल	22/11/2089	राहु	22/05/2108
सूर्य	17/04/2051	चंद्र	17/04/2058	मंगल	17/04/2076	राहु	17/04/2092		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 2 वर्ष 11 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाली प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रही है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलती रहती हैं। परंतु यह नहीं सोचती हैं कि बातों की सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपके कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपके भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकती। आप चिंतन कर सकती हैं कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगी।

साथ-साथ घरेलू मामलों में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपने प्यारे पति एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगी। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगी। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करती हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताती हैं। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखती हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझती हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगी एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगी।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगी। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकती हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाली बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकती हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।